संख्या-125/2025 / 744 /26-3-2025-1791479

प्रेषक,

रजनी कान्त पाण्डेय
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण विभाग,
उ0प्र0,लखनऊ

समाज कल्याण अनुभाग-3

लखनऊः दिनांकः 03 जुलाई 2025

विषयः समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालक/बालिका विद्यालय में मरम्मत/अनुरक्षण का कार्य कराये जाने हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-2808-11/स0क0/ए0टी0एस0-सेल(169)/नवीन मरम्मत व अनुरक्षण/2024-25, दिनांक 12.09.2024, पत्र संख्या-3012-16/स0क0/ए0टी0एस0-सेल (169)/नवीन मरम्मत व अनुरक्षण/2024-25, दिनांक 31.12.2024 एवं पत्र संख्या-4014-17/स0क0/ए0टी0एस0-सेल(169-टी0सी0)/नवीन मरम्मत व अनुरक्षण/2024-25, दिनांक 12.03.2025 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिनके माध्यम से जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय,पडरौना कुशीनगर, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, हाजीपुर बरसेण्डी, अयोध्या, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, चकदही, संतकबीरनगर, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, सकरौरा गोण्डा, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, मुर्तजापुर महमूदाबाद, सीतापुर में विभिन्न मरम्मत व अनुरक्षण के कार्यो को कराये जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराते हुये प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस सम्बन्ध में आप द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान संख्या-83 के लेखाशीर्षक-2225 अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछडे वर्गों का कल्याण-01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना-09-राजकीय छात्रावासों/राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का अनुरक्षण-29-अनुरक्षण मद में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अधोलिखित तालिका में उल्लिखित विवरण के अनुसार कार्य कराये जाने हेतु कार्यदायी संस्था, यू0पी0सिडको को नामित करते हुये धनराशि रू0 1003.97 लाख (रू0 दस करोड़ तीन लाख सत्तानबे हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति व धनराशि रू0-953.78 लाख (रू0 नौ करोड़ तिरपन लाख अठहत्तर हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र. सं.	जनपद का नाम	विद्यालय का नाम	कार्य का नाम	यू0पी0 सिडको द्वारा परीक्षणोपरान्त आगणित धनराशि	स्वीकृत धनराशि	अवशेष 5 प्रतिशत धनराशि
1	कुशीनगर	जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय,पडरौना कुशीनगर	1-चहारदीवारी की उच्चीकरण, बाउन्ड्रीवाल कार्य। 2-कुड़ा डम्प का कार्य। 3-मेनगेट के पास गार्ड रूम शौचालय सहित कार्य। 4-अधीक्षक व प्रधानाचार्य आवास की सम्पूर्ण मरम्मत का कार्य।	93.26	88.60	4.66

			5-स्टॉफ एवं फार्मासिस्ट आवास की मरम्मत का कार्य। 6-कैम्पस में सी0सी0रोड का कार्य। 7-कैम्पस लाइटिंग का कार्य।			
2	अयोध्या	जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, हाजीपुर बरसेण्डी, अयोध्या।	स्कूल भवन, डोरमेट्री, डायनिंग ब्लाक एवं आवासों के क्षतिग्रस्त प्लास्टर, फर्श दरवाजे, खिडकियों के मरम्मत कार्य, सेनेट्री वाटर सप्लाई के अन्तर्गत हुई टूट-फूट तथा विद्युत कार्यो के अन्तर्गत खराब स्विच, बोर्ड, एम0सी0बी0, पैनल बोर्ड एवं वायरिंग के कार्य।	339.94	322.95	16.99
3	संतकबीर नगर	जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, चकदही संतकबीरनगर।	प्रांगण में सी.सी. रोड का निर्माण कार्य।	68.40	64.98	3.42
4	गोण्डा	जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, सकरौरा गोण्डा।	विद्यालय/छात्रावास भवन की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई एवं विद्युत अनुरक्षण (मुख्य भवन में विद्युत वायरिंग पंखा फिटिंग व पैनल तथा छात्रावास भवन में पंखा तथा फिटिंग कार्य के सापेक्ष टायलेट एवं गलियारा की वायरिंग /डायनिंग ब्लाक में वायरिंग, पंखा फिटिंग व पैनल कार्य एवं 20 नग नये पोलो पर स्ट्रीट लाइट लगाने)	302.77	287.63	15.14
5	सीतापुर	जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, मुर्तजापुर महमूदाबाद, सीतापुर।	मुख्य भवन, छात्रावास भवन एवं आवासीय भवन की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण।	199.60	189.62	9.98
			कुल योग	**1003.97**	**953.78**	**50.19**

(1) निदेशक, समाज कल्याण द्वारा कार्यदायी संस्था यू0पी0स्टेट कान्स्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कारपोरेशन लि0 (यू0पी0सिडको) के प्रबन्ध निदेशक से शीघ्र एम0ओ0यू0 अनुबन्ध कराकर धनराशि आहरित कर कार्यदायी संस्था को दी जायेगी, जिसका अधिष्ठान व्यय वित्त विभाग के सुसंगत शासनादेशों में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित दर के अनुसार लिया जायेगा। कार्यदायी संस्था को धनराशि प्राप्त होने के तुरन्त बाद शीघ्र निर्माण/मरम्मत कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। प्रायोजना के निर्माण में बिना समुचित कारण के यदि अनावश्यक रूप से विलम्ब होने से लागत में वृद्धि होती है, तो इसके लिये निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी।

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-6/2025/बी-1-352/दस-2025-231/2025, दिनांक-27.03.2025 में निहित शर्तो एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य मद हेतु किया जायेगा अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य

प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यो को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नहीं दिया जायेगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे।

(3) प्रायोजना के कार्य में वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में तिथिवार विवरण एवं प्रामाणिक प्रपत्र जी0एस0टी0 इन्वायस सक्षम स्तर से निदेशक, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के अतिरिक्त लेबरसेस के रूप में प्रदान की गयी धनराशि श्रम विभाग को भुगतान किये जाने का प्रमाण पत्र कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उपलब्ध कराया जायेगा ।

(4) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) निदेशक, समाज कल्याण विभाग द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के सुसंगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप दिनांक-27.03.2025 में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रश्नगत कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो-दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागारसे आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी गयी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 75 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले 06 माह के लिए पुनः अवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन निदेशक, समाज कल्याण विभाग द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(6) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(7) कार्य की विशिष्टियॉ, मानक एवं गुणवत्ता आदि की पूर्ण जिम्मेदारी निदेशक, समाज कल्याण एवं कार्यदायी संस्था की होगी तथा उनके द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो जाय। इसके लिए परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017, दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा प्रायोजना का पाई चार्ट कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को शीघ्र उपलब्ध कराया जाय। इस सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत दिशा-निर्देश एवं बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(8) परियोजना में कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(9) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में

अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(10) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन निदेशालय, समाज कल्याण विभाग एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप निर्गत किया जाएगा। प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु विभागीय अप्रेजल कमेटी द्वारा संस्तुत मूल्यांकित धनराशि एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

(11) प्रायोजना की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था/निदेशक समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रेषित मांग एवं अभिलेखों के आधार पर अवमुक्त की जा रही है। अतः यदि परियोजना के मानक एवं अन्य बिन्दुओं के सम्बन्ध में कोई सूचना भविष्य में गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्था/निदेशक, समाज कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स आदि सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(12) निदेशक, समाज कल्याण विभाग द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे तथा ई-टेण्डर लागत, गुणवत्ता प्रमाण पत्र, संविदा से सम्बन्धित मूल (एम0ओ0यू0),तकनीकी स्वीकृति आदि अभिलेख कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराये जायेंगे।

13-निदेशक, समाज कल्याण द्वारा प्रश्नगत अनुरक्षण कार्य हेतु अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, गुणवत्ता प्रमाण पत्र, भौतिक प्रगति आख्या व अनुरक्षण कार्य का फोटोग्राफ कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर उपलब्ध कराए जाने के पश्चात अवशेष 5 प्रतिशत धनराशि की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय रू0 9,53,78,000 (रू0 नौ करोड़ तिरपन लाख अठहत्तर हजार मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2025-2026 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-083 के लेखाशीर्षक-2225017890900 राजकीय छात्रावासों/राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का अनुरक्षण-29-अनुरक्षण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या- 6/2025/बी-1-352/दस-2025-231/2025, दिनांक-27.03.2025 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

Digitally signed by
RAJANI KANT PANDEY
Date: 03-07-2025
14:35:29

भवदीय,

(रजनी कान्त पाण्डेय)
उप सचिव।

पृ0सं0- 125/2025/ 744 (1)/26-3-2025 तद्दिनांक-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय उ0प्र0 प्रयागराज।
3- निदेशक, स्थानीय निधि, लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज।
4- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- जिलाधिकारी, कुशीनगर, अयोध्या, संतकबीरनगर, गोण्डा, सीतापुर।
6- जिला समाज कल्याण अधिकारी कुशीनगर, अयोध्या, संतकबीरनगर, गोण्डा, सीतापुर।
7- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/2 उ0प्र0शासन।
8- वित्त नियंत्रक, निदेशालय, समाज कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ।
9- प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0सिडको, लखनऊ।
10- निदेशक, एन0आई0सी0।
11- गार्डफाइल।

आज्ञा से,

(रजनी कान्त पाण्डेय)
उप सचिव।